जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, डीडीहाट पिथौरागढ़

आख्या

NEP 2020 की चौथी वर्षगांठ पर आयोजित शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम का तृतीय दिवस

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ में दिनांक 24/07/2024 को शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम के तृतीय दिवस के अवसर पर खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डायट डीडीहाट श्री भाष्करानन्द पाण्डेय के दिशानिर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री चन्द्रशेखर मखौलिया द्वारा सभा में उपस्थित समस्त डायट स्टाफ एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षु के स्वागत के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्री जे0 बी0 मिश्र, डा0 ममता खोलिया, श्री गोकर्ण राम लोहिया तथा श्री पुनीत प्रकाश जोशी के साथ तृतीय सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षु इस सत्र में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ खेल के महत्व तथा उसका हमारे जीवन में उपयोग पर चर्चा के साथ श्री चन्द्रशेखर मखौलिया द्वारा किया गया। तत्पश्चात चर्चा सत्र में खेल गतिविधियों हेतु कार्यक्रम प्रारम्भ किये गये।

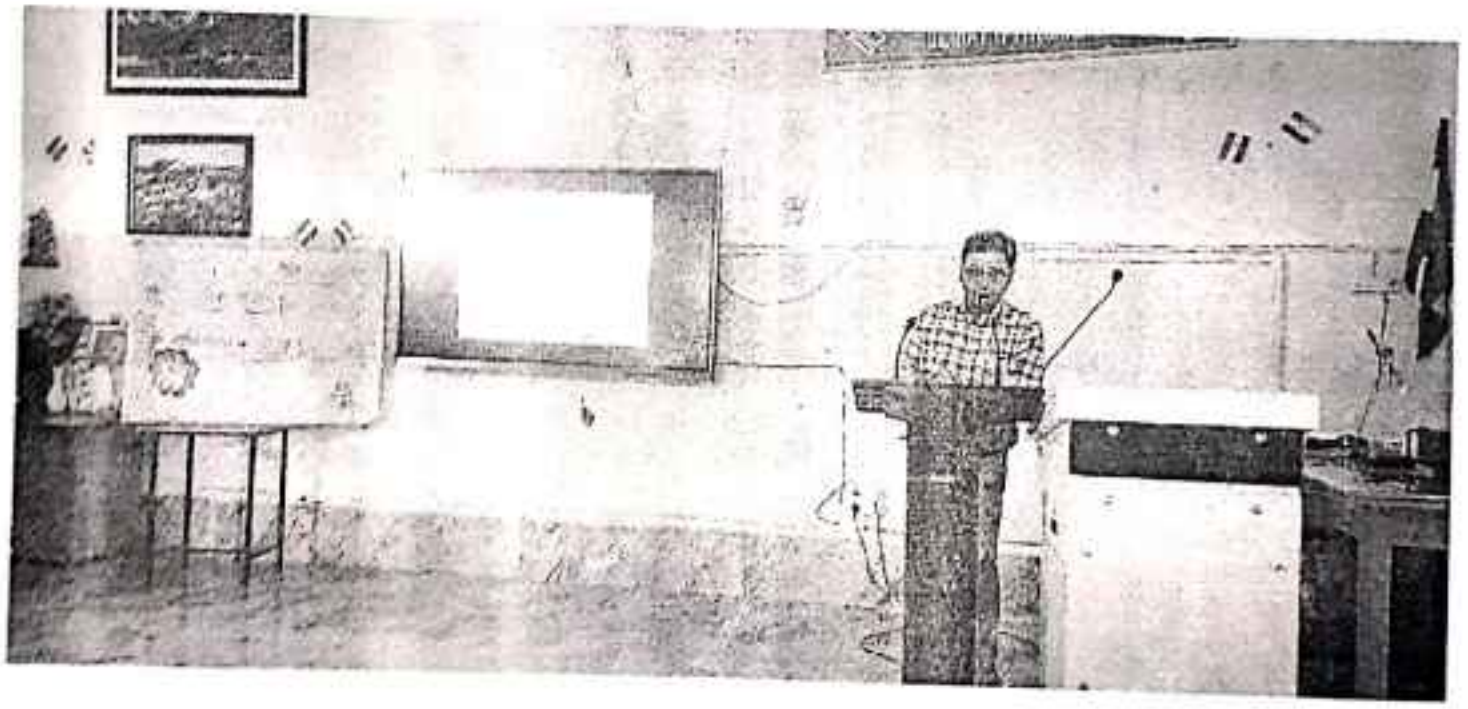

कार्यक्रम की प्रस्तुति डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं द्वारा ग्रुपवार प्रस्तुत किया गया। जिसका विवरण निम्नलिखित है–

- **रमन सदन समूह द्वारा की गयी खेल गतिविधियां–**

  सदन के एक सदस्य द्वारा सबसे पहले खेल पर चर्चा की गयी तथा खेल का जीवन में उपयोग के बारे में समझाया गया। तत्पश्चात कुछ खेलों का प्रस्तुतीकरण समूह द्वारा मिलकर किया गया।

1.शतरंज–

इस खेल के माध्यम से मानसिक विकास, विभिन्न चालों के परिणामों की समझ और उनके बीच समन्वित रूप से विचारों का विकास, आत्मविश्वास, स्मरण शक्ति तथा सूक्ष्म गत्यात्मक विकास होता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

2.कब्बडी–

यह एक बाह्य खेल है, जिसके माध्यम से शारीरिक विकास, मानसिक स्थिरता, सामर्थ्य विकास, टीम वर्क, चपलता और संतुलन का विकास होता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

➢ चाणक्य सदन समूह द्वारा की गयी खेल गतिविधियां–

सदन के सदस्यों द्वारा खेल पर चर्चा कर कुछ खेलों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

1. इन आउट गेम–

इस खेल के माध्यम से बच्चों में सुनने, प्रतिक्रिया, ध्यान, जागरूकता, तथा शारीरिक विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

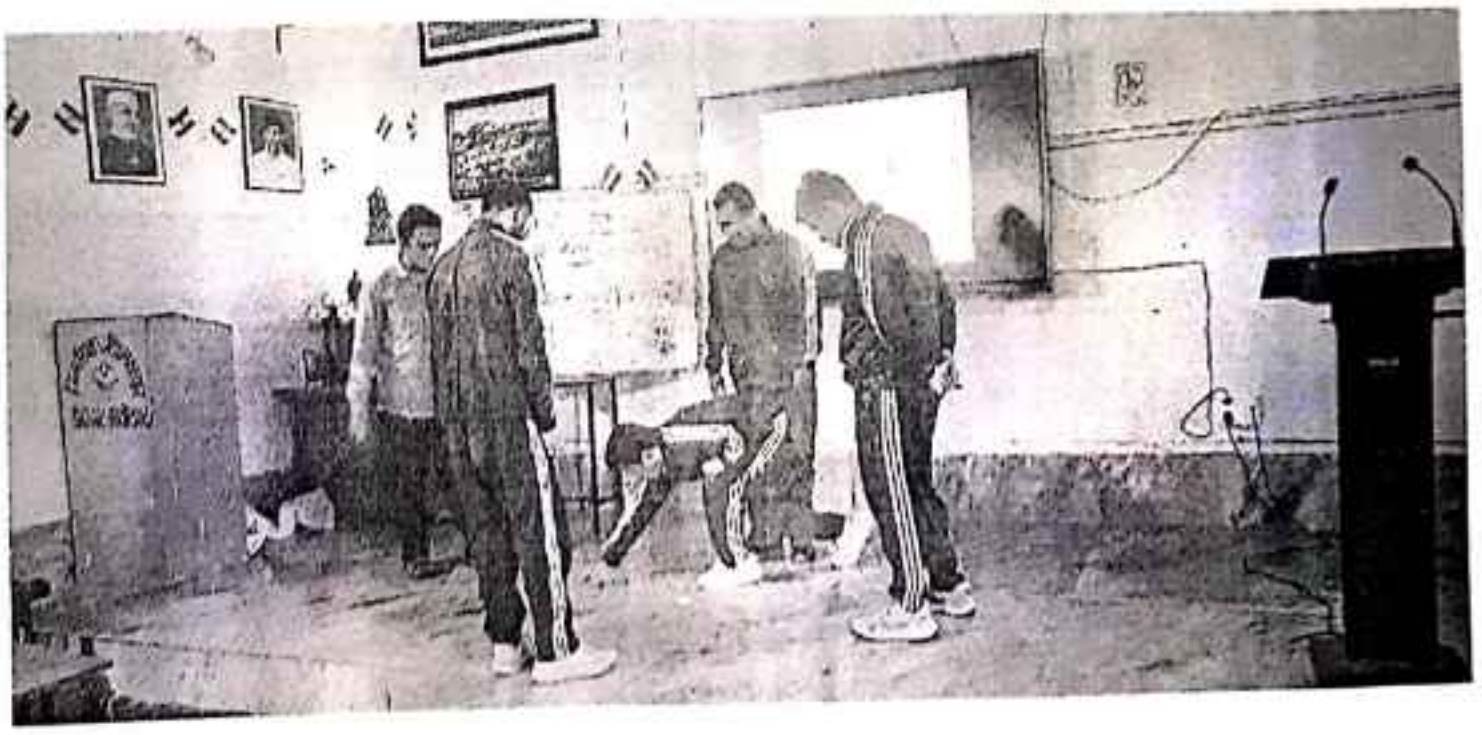

2. नीबू चम्मच गेम–

इस खेल के माध्यम से समन्वय, संतुलन, धीरज और मनोरंजन तथा शारीरिक विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

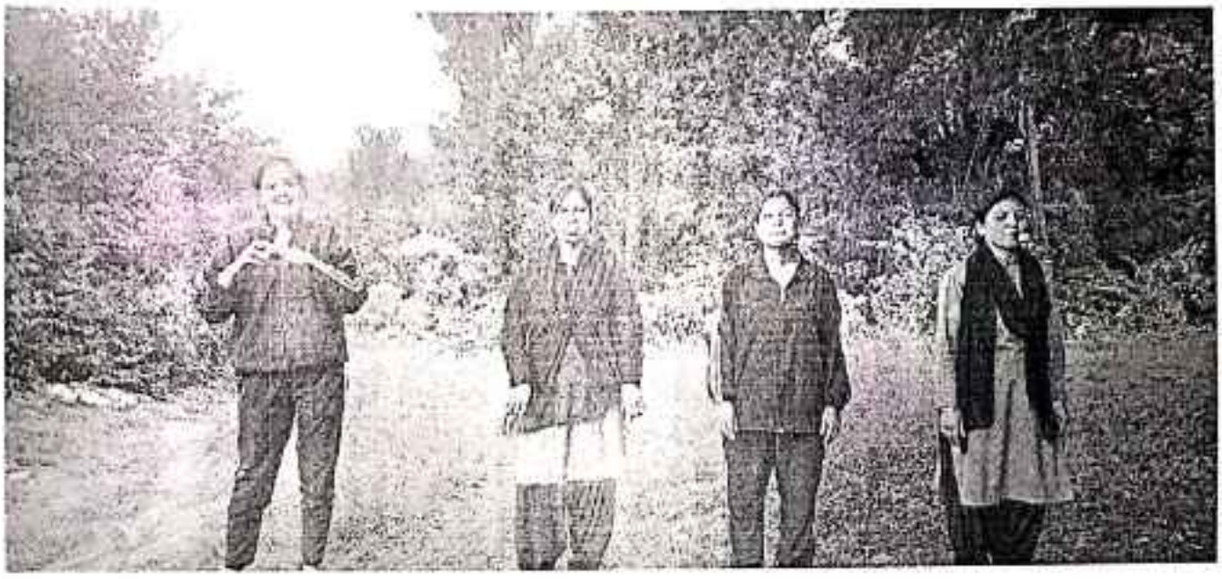

➢ कुर्मांचल सदन समूह द्वारा की गयी खेल गतिविधियां–

सदन द्वारा आन्तरिक तथा बाह्य खेलो के बारे में चर्चा की गयी तथा कुछ खेलों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

1. रूमाल झप्पटा गेम–

इस खेल के माध्यम से चपलता, गति, सावधानी, मनोरंजन तथा शारीरिक अंगों का विकास किया जाता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

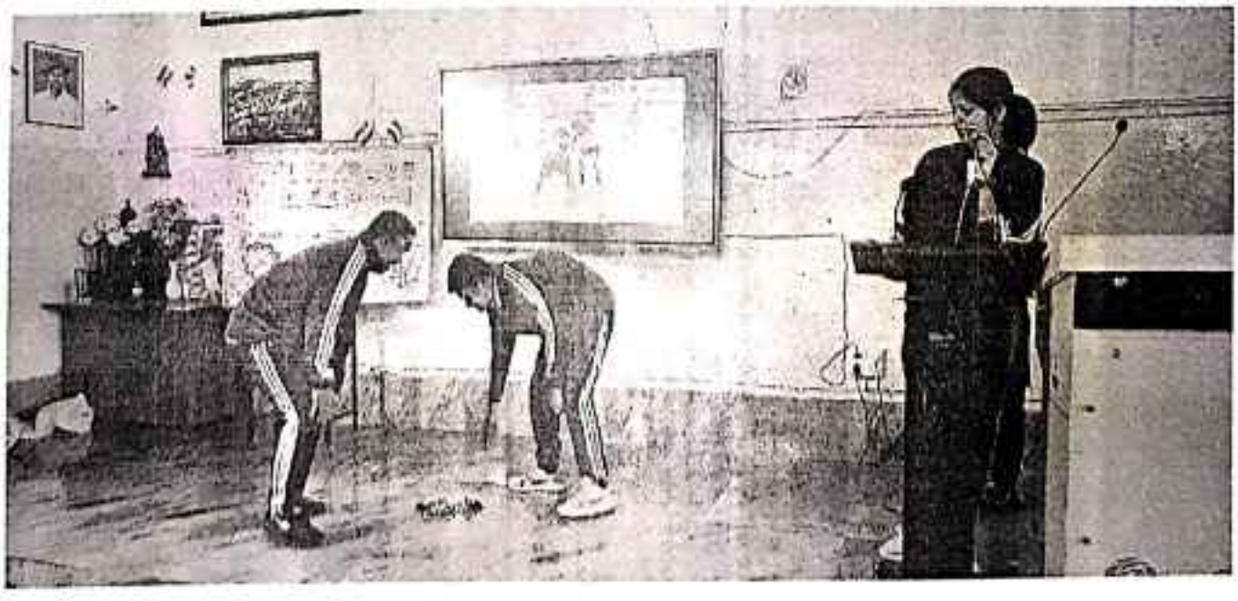

2. गोट्टी–
इस खेल के माध्यम से सूक्ष्म मांसपेशियों का विकास, ध्यान, संतुलन तथा हाथों और आँखों का समन्वय होता है।

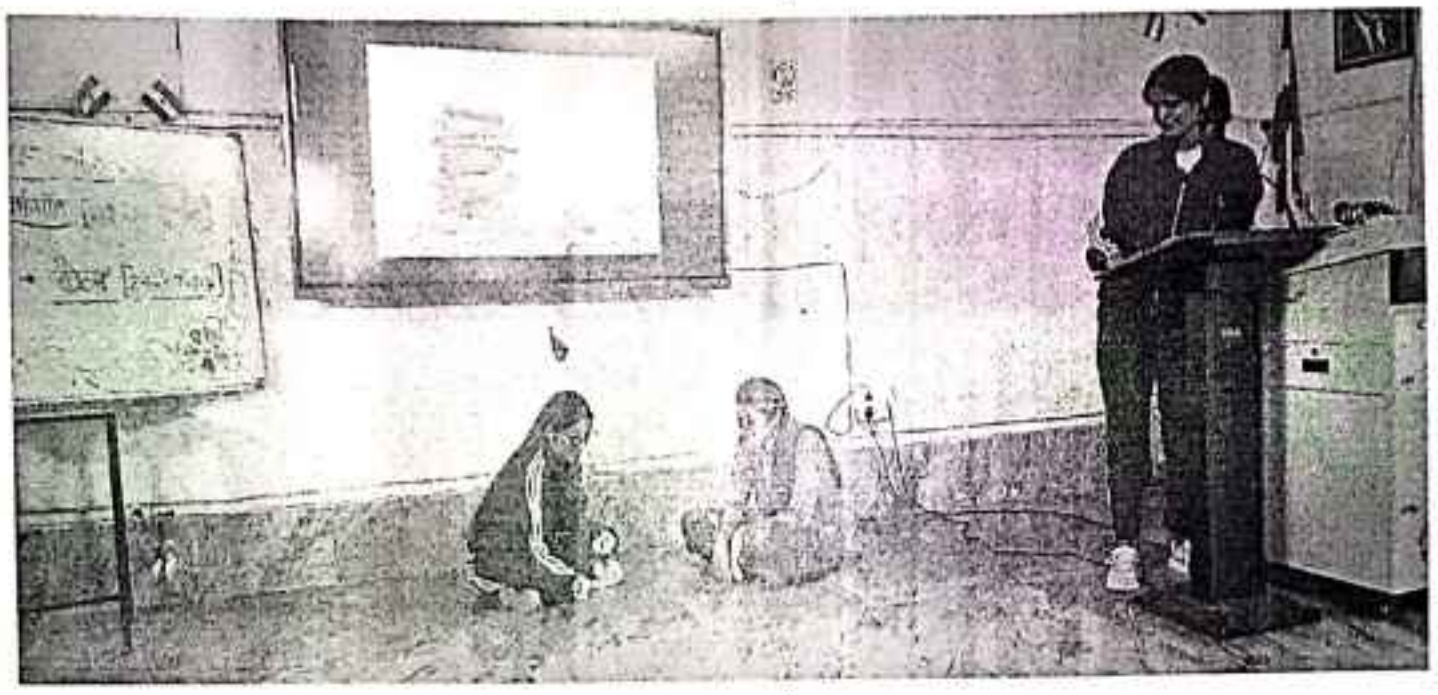

3. खो–खो–
इस खेल के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य, चपलता, टीम वर्क और तुरंत प्रतिक्रिया जैसे कौशलों का विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

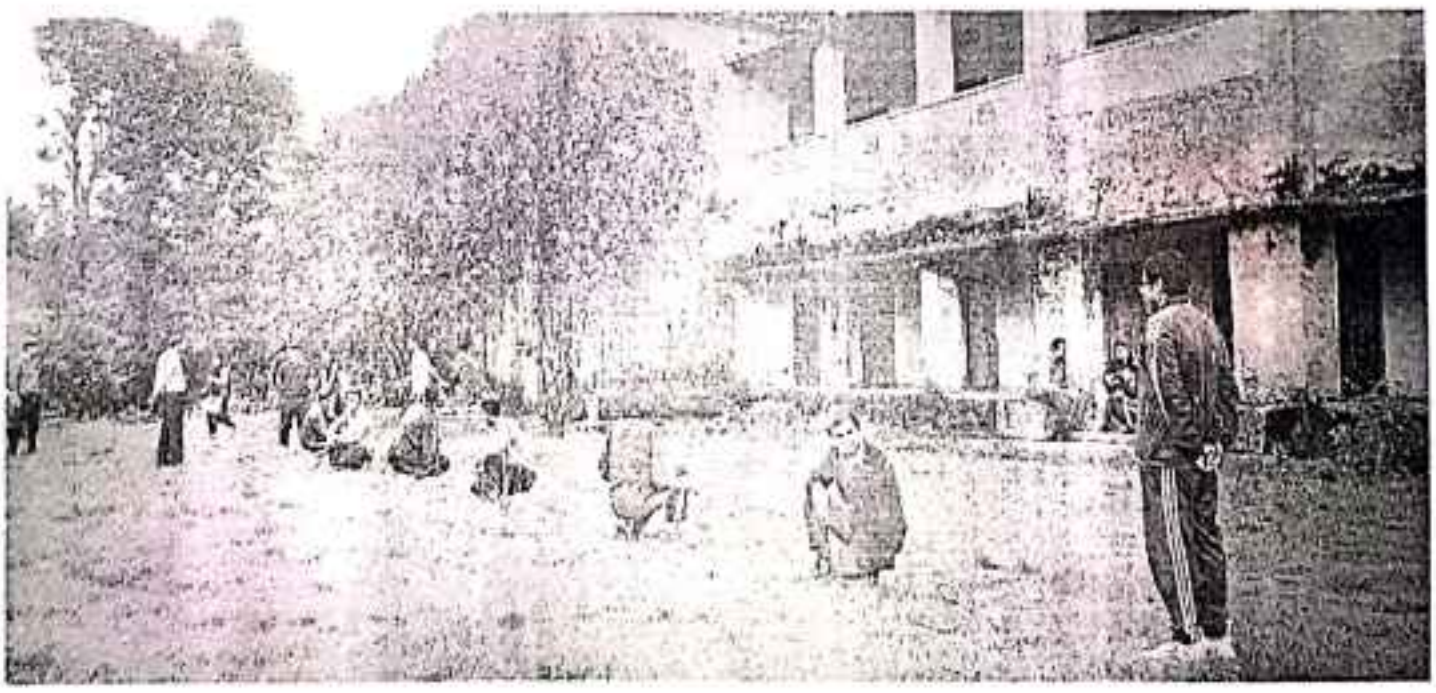

➢ विवेकानन्द सदन समूह द्वारा की गयी गतिविधियां–
सदन द्वारा खेलों के महत्व एवं उपयोगिता पर चर्चा की गयी तथा खेलों का प्रदर्शन किया गया।

1.जिसकी लाठी उसकी बाल्टी–

इस खेल से सूझ–समझ का विकास, अनुमान, कल्पना शक्ति का विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

2.गाय और ग्वाला–

इस खेल के माध्यम से बच्चों में सुनने की क्षमता और उस पर प्रतिक्रिया तथा अनुमान लगाने का विकास किया जाता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

- **कलाम सदन समूह द्वारा की गयी गतिविधियां–**
  सदन द्वारा आन्तरिक तथा बाह्य खेलो के बारे में चर्चा की गयी तथा कुछ खेलों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

1.नेता जी एक्सन बदलो–

इस खेल के माध्यम से पहचाने की क्षमता, विभेद करने की क्षमता और व्यवहार को समझने की क्षमता का विकास किया जाता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

2.म्यूजिकल चेयर–

इस खेल के माध्यम से सुनने की क्षमता पर प्रतिक्रिया, तुरन्त प्रतिक्रिया करना तथा शारीरिक क्षमता का विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

➢ वेदान्ता सदन समूह द्वारा की गयी गतिविधियां–

सदन के सदस्यों द्वारा अलग–अलग खेलों के महत्व पर चर्चा की गयी तथा प्रशिक्षुओं द्वारा कुछ खेलों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

1.मेमोरी बेस गेम–

इस खेल के माध्यम से मानसिक क्षमता का विकास, याद रखने की क्षमता में वृद्धि आदि का विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

2.भरोसे की रेल गाड़ी–

इस खेल के माध्यम से नेतृत्व क्षमता का विकास, सहयोग, टीम वर्क, विश्वास करने के तथा शारीरिक अंगों का विकास किया जा सकता है। खेल का प्रस्तुतीकरण प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

खेलों के प्रस्तुतीकरण के बाद श्री चन्द्रशेखर [illegible] ने बताया की [illegible] खेल को खेलने से पहले खेलों के नियम की जानकारी [illegible] है, जिससे बच्चों [illegible] का विकास किया जा सकता है। खेलों की विद्यालय में उपयोगिता पर चर्चा की गयी। तत[illegible] खोलिया ने आगामी दिवस के कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी। कार्यशाला के अन्त में प्राच[illegible]द पाण्डेय द्वारा खेल गतिविधियों पर अपने विचार प्रस्तुत किये तथा विद्यालय में खेलों को [illegible] प्रशिक्षुओं को अभिप्रेरित किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य श्री भाष्करानन्द पाण्डेय द्वारा खेल क[illegible]ापन सायं 05:45 PM पर किया गया।

दिनांक–23 / 07 / 2024

स्थान– डायट डीडीहाट